क्रमांकः बीएसएनएलईयू म.प्र./ दिनांक 18.07.2010

# सलाम यूनिटी

---

15 जुलाई 2010 को दिल्ली में केन्द्रीय ट्रेड यूनियन संगठनों एवं कर्मचारी यूनियनों/फेडरेशनों का द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में, केन्द्र सरकार की मजदूर–कर्मचारी विरोधी नीतियों के प्रति गहरा असंतोष व्यक्त किया गया। मंहगाई रोकने, श्रम कानूनों का पालन करने, खाद्य सुरक्षा प्रदान करने, रोजगार खाने वाली नीतियों को पलटने तथा लाभ कमाने वाली सरकारी कम्पनियों को न बेचने सहित प्रमुख पांच मांगों पर सम्मेलन में गंभीर विचार विमर्श हुआ।

राष्ट्रीय सम्मेलन ने सर्व सम्मति से यह निष्कर्ष निकाला कि केन्द्र सरकार एक ओर जहां मजदूरों–कर्मचारियों सहित आम आदमी के प्रति पूरी तरह असंवेदनशील है वहीं देशी और विदेशी धन कुबेरों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने की सभी सीमाओं को पार कर दिया है। सम्मेलन ने यह भी पाया कि विगत लगभग 10 माहों से केन्द्रीय ट्रेड यूनियन की संयुक्त कार्यवाहियों की, जो इन्हीं 5 मांगों को लेकर की गई हैं, केन्द्र सरकार ने जिस असंवेदनशीलता से अनदेखी की है वह अभूतपूर्व है। इसलिए इस स्थिति को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

अतः इन्टक, एटक, एचएमएस, बीएमएस, सीटू, एआईयूटीयूसी, टीयूसीसी, एआईसीसीटीयू, यूटीयूसी तथा एलपीएफ सहित सभी केन्द्रीय ट्रेड यूनियन संगठनों ने देश की पूरी कियाशील बिरादरी (working class) का आव्हान किया है कि 07 सितम्बर 2010 को राष्ट्रीय आम हड़ताल को शत प्रतिशत सफल बनावें।

उल्लेखनीय है कि अंग्रेजी शासन के विरोध में सन् 1947 के पूर्व ही मजदूर वर्ग ने इस प्रकार की एक जुट कार्यवाहियां की थीं। स्वतंत्र भारत में इस प्रकार की एक जुट कार्यवाही का यह पहिला आव्हान है जो अपने आप में ऐतिहासिक है।

## इसलिए सलाम यूनिटी।